राज योग

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

राजयोगों का महत्व

राजयोग अर्थात ऐसे योग जो जीवन में उन्नति के शिखर पर ले जाने वाले होते हैं। योग का मतलब होता है "जोड़ अथवा जुड़ना"। वैदिक ज्योतिष में किसी योग का मतलब होता है कुछ विशेष ग्रहों के सहयोग से बनने वाला ऐसा संबंध जो किसी भी जातक को ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम हैं। इन योगों के कारण व्यक्ति एक राजा के समान शक्तिशाली, वैभवशाली तथा समृद्ध बन सकता हैय इसी कारण इन्हें राजयोग कहा जाता है।

किसी भी जातक के जीवन में हर राजयोग का विशिष्ट योगदान होता है। एक कुंडली में जितने अधिक राजयोग विद्यमान होंगे, उतना ही इस जातक को जीवन में सफलता प्राप्त होगी और वह उन्नति प्राप्त करने योग्य बन पाएगा। यह राजयोग जातक के जीवन में एक राजा के समान वैभव, संपत्ति, यश तथा लक्ष्मी प्राप्ति जैसी महत्वाकांक्षाओं को सुगम बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

आपको आपकी कुंडली के विशिष्ट बिंदुओं पर जानकारी देने के लिए हमने इस राजयोग रिपोर्ट का निर्माण किया है। इन विशिष्ट राजयोगों की शक्ति उन योगों को बनाने वाले ग्रहों के बल अर्थात कुंडली में उनकी मजबूत स्थिति पर निर्भर करती है। ग्रहों के बल को देखने के लिए विभिन्न बिंदुओं का अध्ययन किया जाता है, जिनके आधार पर ग्रह विशेष द्वारा निर्मित विशेष योग अथवा राजयोग की फल देने की क्षमता का ज्ञान होता है। अतः इस रिपोर्ट के अंतर्गत आप जन्म–कुंडली से संबंधित निम्नलिखित विशिष्ट जानकारी पाएंगेदृ

1. आपकी जन्म–कुंडली में विशिष्ट योगों तथा राजयोगों का महत्व
2. जन्म कुंडली, नवमांश कुंडली, जन्मकालीन ग्रहों की स्थिति, विंशोत्तरी दशा, चलित तालिका
3. षोडश वर्ग कुंडलियां
4. षड्बल तथा भावबल तालिका
5. अष्टकवर्ग तालिका, अष्टकवर्ग चार्ट, प्रस्तारकवर्ग तालिका
6. आपकी जन्म–कुंडली में उपस्थित विशेष राजयोगों का विवरण तथा
7. जन्म–कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों का विशेष फल।
8. राजयोगों की कुण्डली में शक्ति

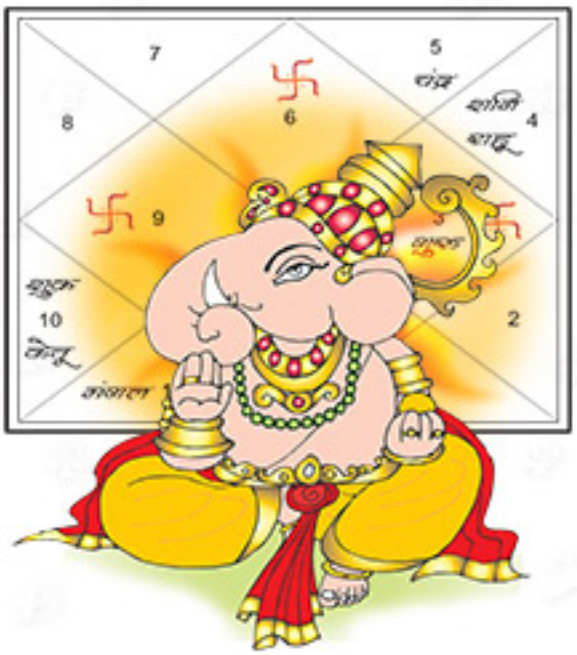

अवकहडा चक्र

पाया (राशि आधारित)	लोह
वर्ण	क्षत्रिय
योनी	गज
गण	मानव
वश्य	चतुष्पद
नाड़ी	मध्य
दशा भोग्य	Venus 15 Y 5 M 1 D
लग्न	वृषभ
लग्न स्वामी	शुक्र
राशि	मेष
राशि स्वामी	मंगल
नक्षत्र–पद	भरणी 1
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
जुलियन दिन	2443744
सूर्य राशि (हिन्दू)	सिंह
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
अयनांश	023.33.30
अयनांश नाम	लाहिरी
अक्ष से झुकाव	023.26.31
साम्पातिक काल	21.38.53

व्यक्ति विवरण

लिंग	Female
दिनांक	23 : 8 : 1978
समय	23 : 53 : 18
दिन	बुधवार
इष्टकाल	044-57-39
जन्म स्थान	Delhi
टाइम जोन	5.5
अक्षांश	28 : 40 : N
रेखांश	77 : 13 : E
स्थानीय समय संशोधन	00:21:07
युद्ध कालिक संशोधन	00:00:00
स्थानीय औसत समय	23:32:10
जन्म समय – जीएमटी	18:23:18
तिथि	षष्ठी
हिन्दू दिन	बुधवार
पक्ष	कृष्ण
योग	वृद्धि
करण	वणिज
सूर्योदय	05:54:14
सूर्यास्त	18:53:28
दिन अवधि	12:59:13

घटक (अशुभ)

दिन	रवि
करण	बव
लग्न	मेष
माह	कार्तिक
नक्षत्र	मघा
प्रहर	1
राशि	मेश
तिथि	1, 6, 11
योग	विषकुम्भ
ग्रह	बुध

अनुकूल बिन्दु

भाग्यांक	5
शुभ अंक	2, 7, 9
अशुभ अंक	4, 8
शुभ वर्ष	14,23,32,41,50
भाग्यशाली दिन	गुरु
शुभ ग्रह	गुरु, सूर्य, चंद्र
मित्र राशियां	मिथुन, सिंह, धनु
शुभ लग्न	कर्क, तुला, धनु, कुम्भ
भाग्यशाली धातु	सुवर्ण
भाग्यशाली रत्न	लाल, मूंगा

पारम्परिक

नाम	पूजा शर्मा	**जुलियन दिन**	2443744	**लग्न स्वामी**	शुक्र	**दशा भोग्य**	Venus 15 Y 5 M 1 D
लिंग	Female	**अयनांश नाम**	लाहिरी	**लग्न**	वृषभ	**करण**	वणिज
दिनांक	23.8.1978	**अयनांश**	023.33.30	**योग**	वृद्धि	**नक्षत्र स्वामी**	शुक्र
दिन	बुधवार	**जन्म स्थान**	Delhi	**तिथि**	षष्ठी	**नक्षत्र–पद**	भरणी–1
समय	23.53.18	**रेखांश**	77.13.E	**सूर्यास्त**	18.53.28	**राशि स्वामी**	मंगल
साम्पातिक काल	21.38.53	**अक्षांश**	28.40.N	**सूर्योदय**	05.54.14	**राशि**	मेष

लग्न चक्र

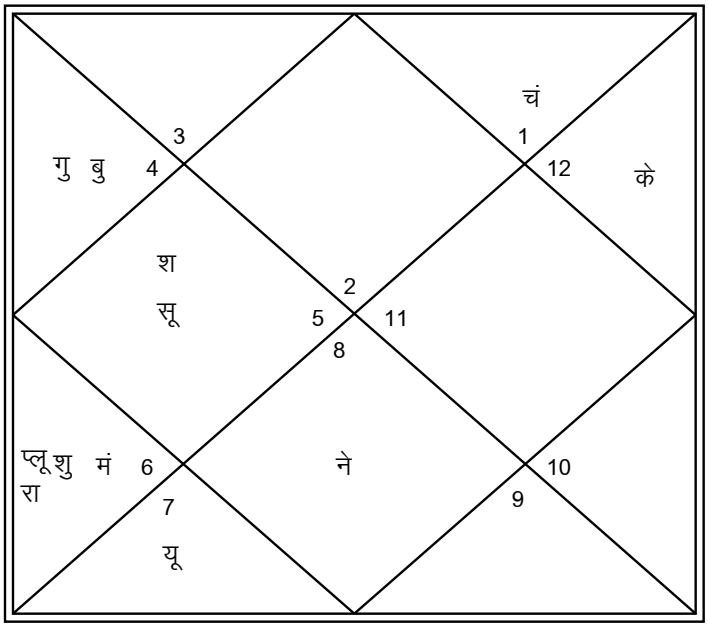

नवमांश चक्र

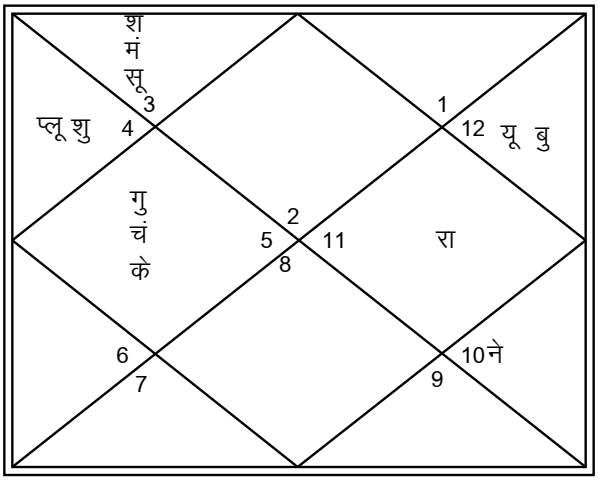

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	अक्षांश	नक्षत्र	पद
लग्न	वृषभ	15.30.14	रोहिणी	2
सूर्य	सिंह	06.42.30	मघा	3
चंद्र	मेष	16.23.10	भरणी	1
मंगल	कन्या	18.40.48	हस्त	3
बुध (व)	कर्क	28.16.43	आश्लेषा	4
गुरू	कर्क	03.54.40	पुष्य	1
शुक्र	कन्या	22.40.42	हस्त	4
शनि	सिंह	09.57.57	मघा	3
राहु (व)	कन्या	04.33.40	उ0फाल्गुनी	3
केतु (व)	मीन	04.33.40	उ0भाद्रपद	1
यूरे	तुला	19.15.30	स्वाती	4
नेप (व)	वृश्चिक	21.58.28	ज्येष्ठा	2
प्लू	कन्या	21.19.34	हस्त	4

अष्टकवर्ग तालिका

राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7
चंद्र	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3
मंगल	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3
बुध	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4
गुरू	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4
शुक्र	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6
शनि	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3
योग	26	39	37	28	20	24	27	25	27	21	33	30

चलित तालिका

भाव	राशि	भाव आरंभ	राशि	भाव मध्य
1	मेष	27.43.16	वृषभ	15.30.14
2	वृषभ	27.43.16	मिथुन	09.56.17
3	मिथुन	22.09.19	कर्क	04.22.21
4	कर्क	16.35.23	कर्क	28.48.24
5	सिंह	16.35.23	कन्या	04.22.21
6	कन्या	22.09.19	तुला	09.56.17
7	तुला	27.43.16	वृश्चिक	15.30.14
8	वृश्चिक	27.43.16	धनु	09.56.17
9	धनु	22.09.19	मकर	04.22.21
10	मकर	16.35.23	मकर	28.48.24
11	कुंभ	16.35.23	मीन	04.22.21
12	मीन	22.09.19	मेष	09.56.17

विंशोत्तरी दशा

शुक्र –20 वर्ष
23/ 8/78 से 25/ 1/94

शुक्र	00/00/00
सूर्य	25/5/78
चंद्र	25/1/80
मंगल	25/3/81
राहु	25/3/84
गुरू	25/11/86
शनि	25/1/90
बुध	25/11/92
केतु	25/1/94

सूर्य –6 वर्ष
25/ 1/94 से 25/ 1/00

सूर्य	13/5/94
चंद्र	13/11/94
मंगल	19/3/95
राहु	13/2/96
गुरू	1/12/96
शनि	13/11/97
बुध	19/9/98
केतु	25/1/99
शुक्र	25/1/00

चंद्र –10 वर्ष
25/ 1/00 से 25/ 1/10

चंद्र	25/11/00
मंगल	25/6/01
राहु	25/12/02
गुरू	25/4/04
शनि	25/11/05
बुध	25/4/07
केतु	25/11/07
शुक्र	25/7/09
सूर्य	25/1/10

मंगल –7 वर्ष
25/ 1/10 से 25/ 1/17

मंगल	22/6/10
राहु	10/7/11
गुरू	16/6/12
शनि	25/7/13
बुध	22/7/14
केतु	19/12/14
शुक्र	19/2/16
सूर्य	25/6/16
चंद्र	25/1/17

राहु –18 वर्ष
25/ 1/17 से 25/ 1/35

राहु	7/10/19
गुरू	1/3/22
शनि	7/1/25
बुध	25/7/27
केतु	13/8/28
शुक्र	13/8/31
सूर्य	7/7/32
चंद्र	7/1/34
मंगल	25/1/35

गुरू –16 वर्ष
25/ 1/35 से 25/ 1/51

गुरू	13/3/37
शनि	25/9/39
बुध	1/1/42
केतु	7/12/42
शुक्र	7/8/45
सूर्य	25/5/46
चंद्र	25/9/47
मंगल	1/9/48
राहु	25/1/51

शनि –19 वर्ष
25/ 1/51 से 25/ 1/70

शनि	28/1/54
बुध	7/10/56
केतु	16/11/57
शुक्र	16/1/61
सूर्य	28/12/61
चंद्र	28/7/63
मंगल	7/9/64
राहु	13/7/67
गुरू	25/1/70

बुध –17 वर्ष
25/ 1/70 से 25/ 1/87

बुध	22/6/72
केतु	19/6/73
शुक्र	19/4/76
सूर्य	25/2/77
चंद्र	25/7/78
मंगल	22/7/79
राहु	10/2/82
गुरू	16/5/84
शनि	25/1/87

केतु –7 वर्ष
25/ 1/87 से 25/ 1/94

केतु	22/6/87
शुक्र	22/8/88
सूर्य	28/12/88
चंद्र	28/7/89
मंगल	25/12/89
राहु	13/1/91
गुरू	19/12/91
शनि	28/1/93
बुध	25/1/94

।। शोडषवर्ग तालिका ।।

क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	2	5	1	6	4	4	6	5	6	12	7	8	6
2	भ्वतं	5	5	4	5	5	4	5	5	4	4	4	5	5
3	द्रेष्काण	6	5	5	10	12	4	2	5	6	12	11	4	2
4	चतुर्थांश	8	5	7	12	1	4	3	8	6	12	1	2	12
5	सप्तमांश	11	6	4	4	4	10	5	7	0	6	11	6	4
6	नवमांश	2	3	5	3	12	5	4	3	11	5	12	10	4
7	दशमांश	3	7	6	8	9	1	9	8	3	9	1	11	9
8	द्वादशांश	8	7	7	1	3	5	2	8	7	1	2	4	2
9	षोडशांश	1	8	9	6	4	3	9	10	11	11	11	4	8
10	विंशांश	7	1	11	5	7	3	8	3	8	8	1	11	7
11	चतुर्विंशांश	4	10	6	6	2	7	10	12	7	7	8	9	9
12	सप्तविंशाश	5	7	3	8	11	1	12	9	8	2	12	5	11
13	त्रिंशांश	12	11	9	12	8	2	10	11	2	2	3	10	10
14	खवेदांश	3	9	10	7	8	12	1	2	1	1	2	12	11
15	अक्षवेदांश	4	3	1	1	7	6	7	7	3	3	5	1	4
16	षष्टयंश	9	6	9	7	12	11	3	12	3	9	9	3	12

शोडषवर्ग भाव तालिका

क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	1	4	12	5	3	3	5	4	5	11	6	7	5
2	भ्वतं	1	1	12	1	1	12	1	1	12	12	12	1	1
3	द्रेष्काण	1	12	12	5	7	11	9	12	1	7	6	11	9
4	चतुर्थांश	1	10	12	5	6	9	8	1	11	5	6	7	5
5	सप्तमांश	1	8	6	6	6	12	7	9	2	8	1	8	6
6	नवमांश	1	2	4	2	11	4	3	2	10	4	11	9	3
7	दशमांश	1	5	4	6	7	11	7	6	1	7	11	9	7
8	द्वादशांश	1	12	12	6	8	10	7	1	12	6	7	9	7
9	षोडशांश	1	8	9	6	4	3	9	10	11	11	11	4	8
10	विंशांश	1	7	5	11	1	9	2	9	2	2	7	5	1
11	चतुर्विंशांश	1	7	3	3	11	4	7	9	4	4	5	6	6
12	सप्तविंशाश	1	3	11	4	7	9	8	5	4	10	8	1	7
13	त्रिंशांश	1	12	10	1	9	3	11	12	3	3	4	11	11
14	खवेदांश	1	7	8	5	6	10	11	12	11	11	12	10	9
15	अक्षवेदांश	1	12	10	10	4	3	4	4	12	12	2	10	1
16	षष्टयंश	1	10	1	11	4	3	7	4	7	1	1	7	4

।। शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ।।

लग्न चक्र

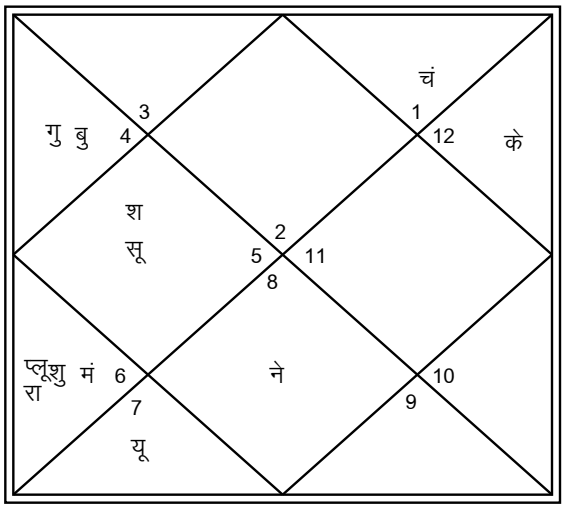

होरा–धन–सम्पत्ति

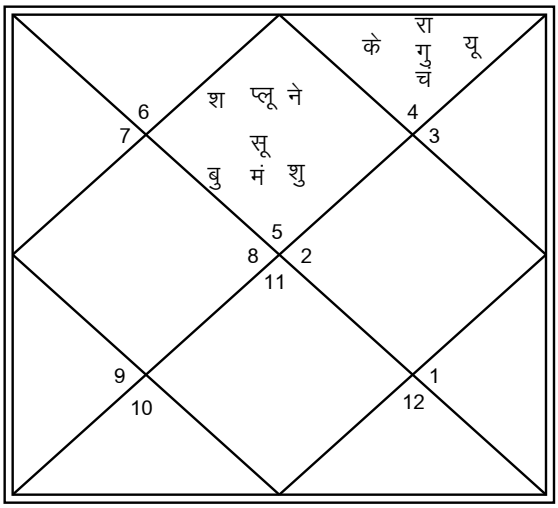

द्रेष्काण–भाई–बहन

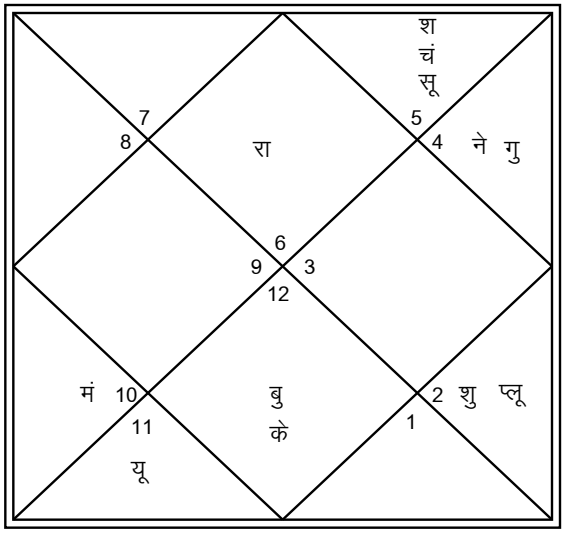

चतुर्थांश–भाग्य

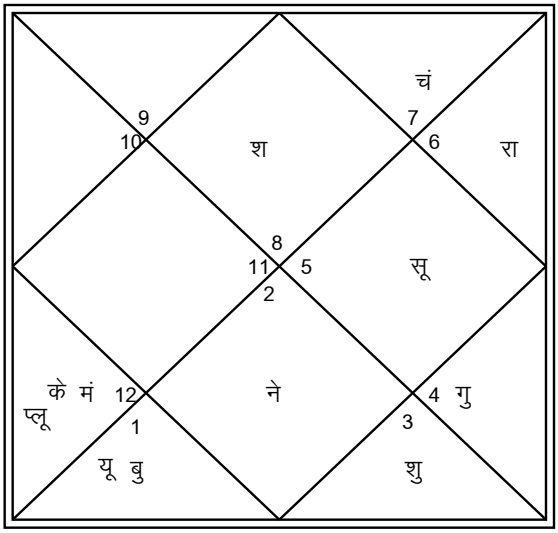

सप्तमांश–बच्चे

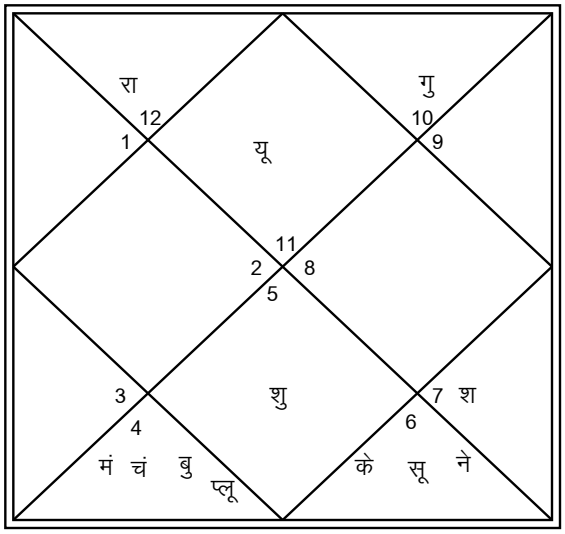

नवमांश–पति–पत्नी

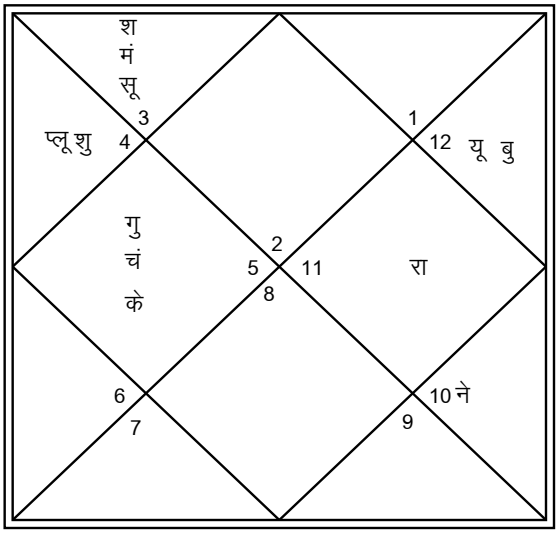

।। शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ।।

दशमांश–व्यवसाय

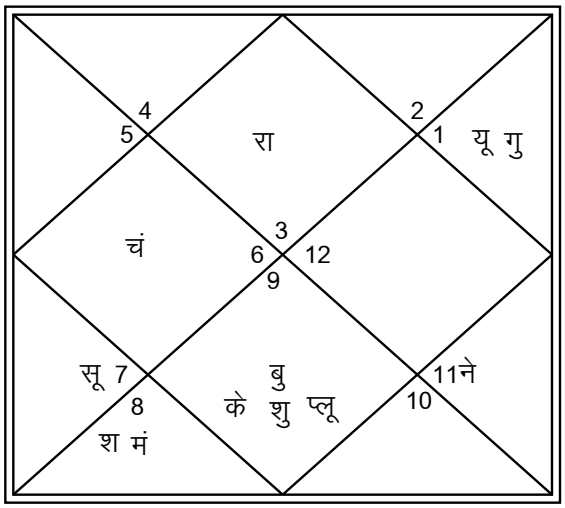

द्वादशांश–माता–पिता

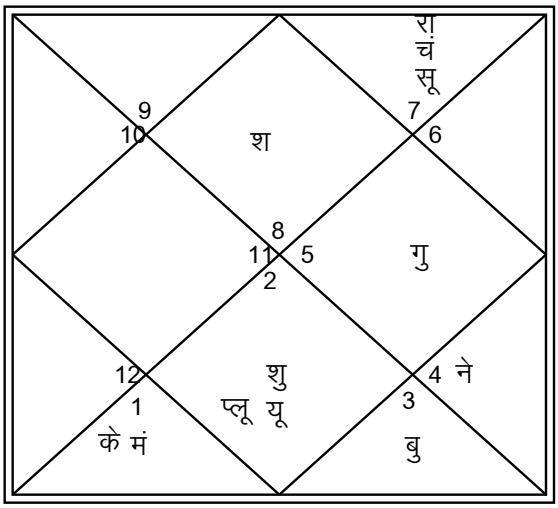

षोडशांश–वाहन

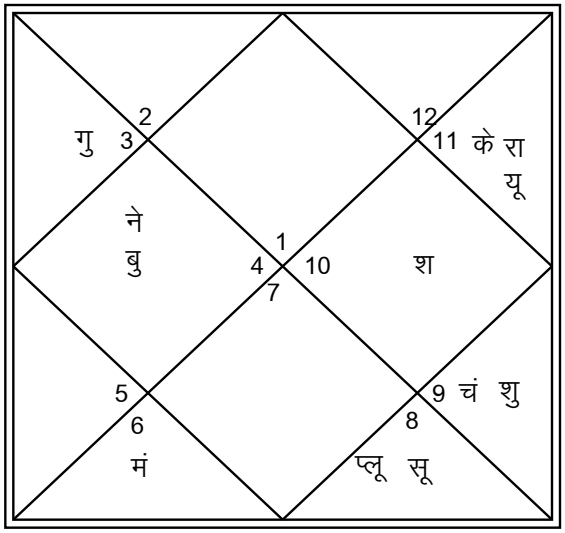

विंशांश–धार्मिक रुचि

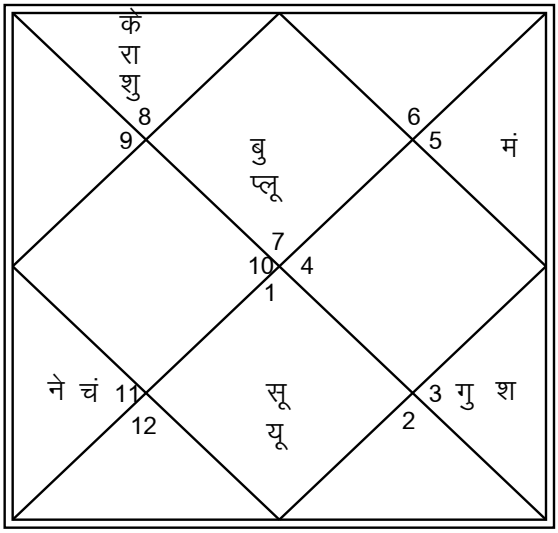

सप्तविंशाश–बल

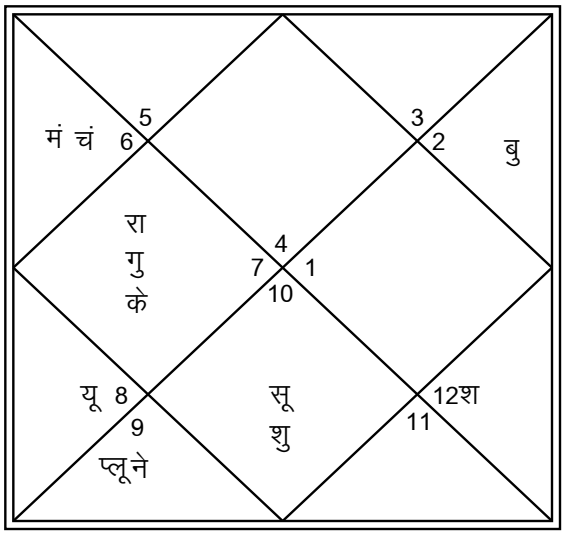

चतुर्विंशांश–शिक्षा

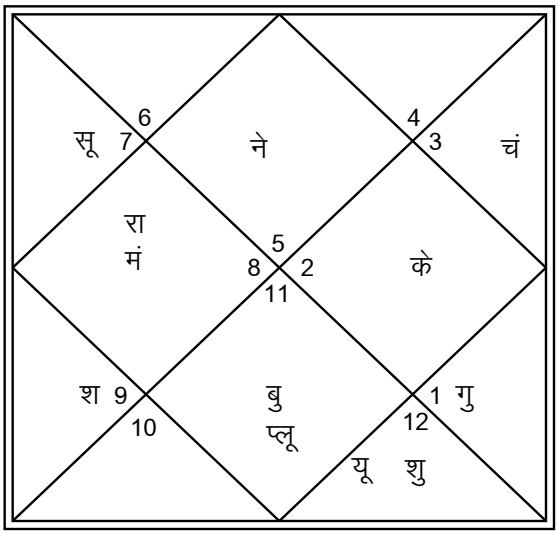

।। शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ।।

त्रिंशांश–दुर्भाग्य

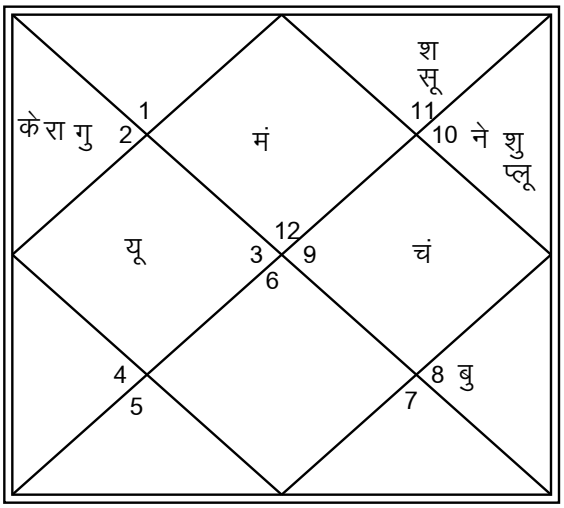

खवेदांश–शुभ फल

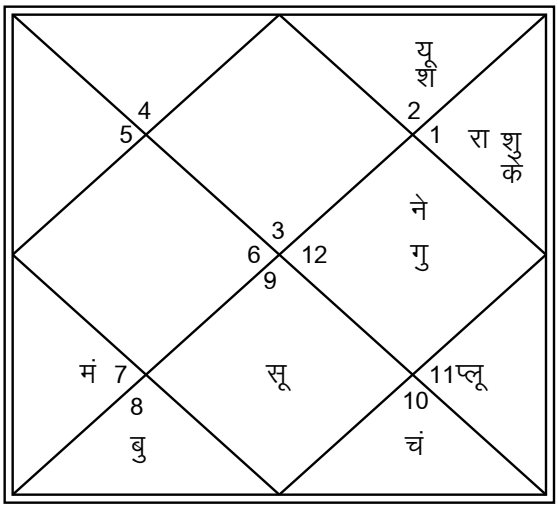

अक्षवेदांश–सामान्य जीवन

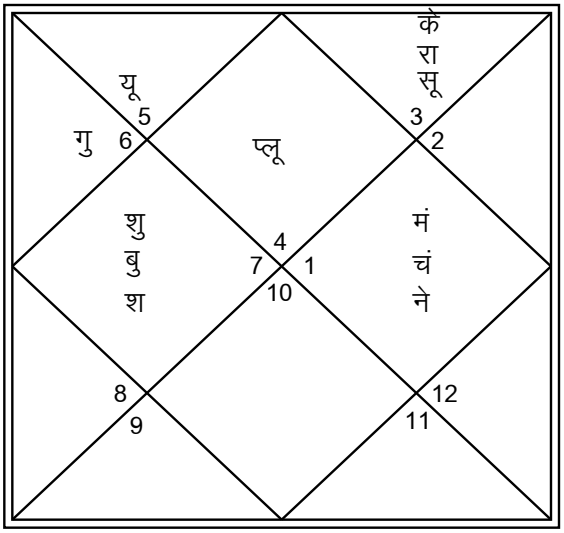

षष्टयंश–सामान्य जीवन

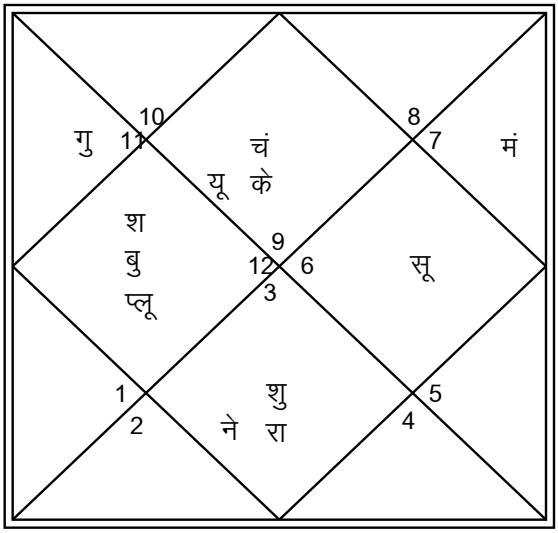

।। षड्बल एवं भावबल तालिका ।।

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। संस्कृत, इसका मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते है तो षड्बल मजबूत होता है।

षड्बल तालिका

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उच्च बल	21.1	54.46	16.89	44.43	59.64	1.44	36.66
सप्तवर्गज बल	144.38	97.5	112.5	90	135	121.88	88.12
ओजयुग्मरस्यांश बल	30	0	15	0	15	30	30
केन्द्र बल	60	15	30	15	15	30	60
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	270.47	166.96	174.39	149.43	239.64	198.32	214.78
कुल दिग्बल	2.63	25.86	16.62	35.74	43.86	42.04	28.15
नतोनंत बल	2.55	57.45	57.45	60	2.55	2.55	57.45
पक्ष बल	23.23	23.23	23.23	36.77	36.77	36.77	23.23
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	89.04	11.22	23.85	48.04	56.32	21.87	17.02
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	129.81	91.9	104.53	189.81	215.64	151.19	97.7
कुल चेष्टा बल	39.91	36.77	19.68	44.21	12.46	37.71	0.1
कुल नैसर्गिक बल	60	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	9.06	-5.06	8.55	9.76	8.63	11.05	9.06
कुल षड्बल	511.89	367.86	340.93	454.69	554.49	483.16	358.37
षड्बल (रुपस)	8.53	6.13	5.68	7.58	9.24	8.05	5.97
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
अनुपात	1.71	1.02	1.14	1.08	1.42	1.46	1.19
सापेक्षिक क्रम	1	7	5	6	3	2	4

भावबल तालिका

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	483.16	454.69	367.86	511.89	454.69	483.16	340.93	554.49	358.37	358.37	554.49	340.93
भाव दिग्बल	30	50	50	60	20	10	60	10	50	0	10	40
भावदृष्टि बल	-13.82	-7.81	8.75	9.7	21.51	72.12	74.95	23.51	71.98	90.02	76.23	22.06
कुल भाव बल	499.34	496.88	426.61	581.59	496.2	565.27	475.88	587.99	480.35	448.39	640.72	402.99
कुल भाव बल (रुपस में)	8.32	8.28	7.11	9.69	8.27	9.42	7.93	9.8	8.01	7.47	10.68	6.72
सापेक्षिक क्रम	5	6	11	3	7	4	9	2	8	10	1	12

।। अष्टकवर्ग तालिका ।।

राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7
चन्द्र	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3
मंगल	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3
बुध	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4
गुरू	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4
शुक्र	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6
शनि	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3
योग	26	39	37	28	20	24	27	25	27	21	33	30

अष्टकवर्ग चार्टः

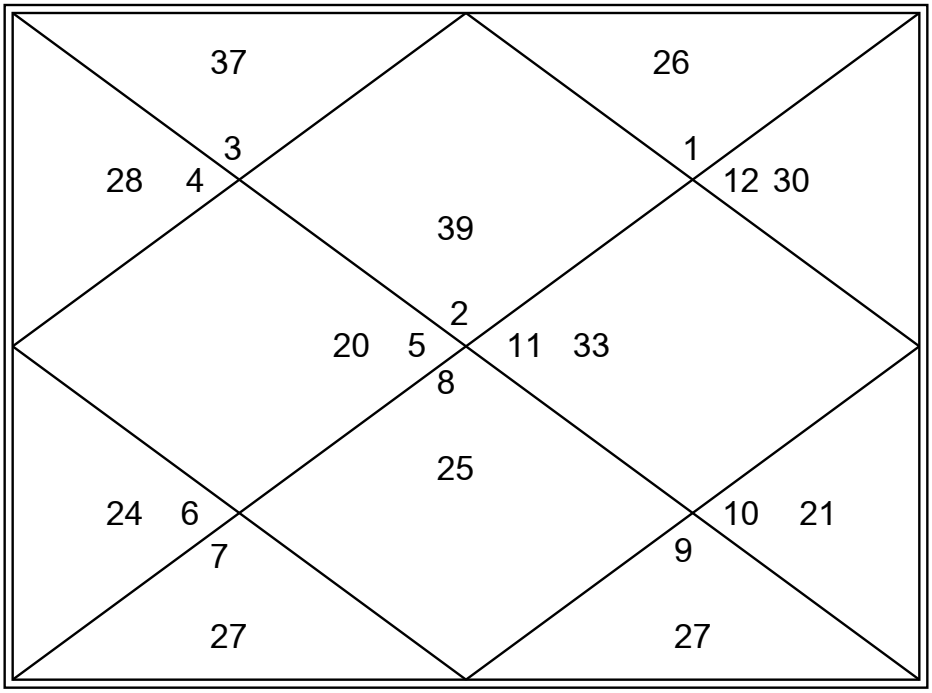

।। प्रस्तरअष्टकवर्ग तालिका ।।

सूर्य

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	7
गुरू	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	3
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
राहू	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7	

चन्द्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
मंगल	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
बुध	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरू	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	7
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
राहू	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
योग	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3	

मंगल

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरू	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
राहू	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3	

बुध

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	1	8
गुरू	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
राहू	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4	

गुरू

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	8
गुरू	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	6
शनि	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	4
राहू	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4	

शुक्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चन्द्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	5
गुरू	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	9
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
राहू	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
योग	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6	

शनि

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
गुरू	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	3
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
राहू	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3	

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report is provided as-is and we provides no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case any disputes the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).

आपकी कुंडली में उपस्थित विभिन्न विशिष्ट योग व राजयोग

इस राजयोग रिपोर्ट के अंतर्गत हमने प्रयास किया है कि आपको उन विशिष्ट योगों के बारे में बताएँ जो आपकी जन्म–कुंडली में उपस्थित हैं और आपको जीवन में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।

बधाई हो पूजा शर्मा! आपकी जन्म कुंडली में निम्नलिखित विशिष्ट योग एवं राजयोग उपस्थित हैं:

1. **गज–केसरी योग**

इस योग के प्रभाव से आप दयालु, परोपकारी, लक्ष्मीवान तथा सम्माननीय होंगे।

2. **उभयचरी योग**

इस योग के प्रभाव से आप भाग्यवान तथा ज्ञानवान होंगे।

3. **पाराशरी राज योगः**

इस योग के प्रभाव से आप जीवन में समृद्धि को प्राप्त करने वाले बनेंगे।

उपरोक्त विशिष्ट राजयोगों के कारण आपके जीवन में उन्नति तथा लक्ष्मी प्राप्ति के सुंदर योग विद्यमान हैं। इन विशिष्ट योगों के बारे में विस्तार से जानने के लिए आगे पढ़ें...

गज–केसरी योग

केन्द्रे देवगुरौ लग्नाच्चन्द्राद्वा शुभदृग्युते ।
नीचास्तारिगृहैर्हीने योगोऽयं गजकेसरी
गजकेसरीसञ्जातस्तेजस्वी धनवान् भवेत् ।
मेधावी गुणसम्पन्नो राजप्रियकरो नरः

यदि बृहस्पति चंद्रमा से केंद्र भावों में स्थित है और किसी क्रूर ग्रह से संबंध नहीं रखता है तो गज–केसरी योग बनता है। हालांकि अगर कोई अशुभ ग्रह से संबंध होता है तो इस योग से मिलने वाले फलों में कमी आएगी।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म गज–केसरी योग में हुआ है इसलिए आप दयालु प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे और दूसरों के प्रति स्नेह व विनम्रता का भाव रखेंगे। जीवन में आध्यात्मिक उत्थान को लेकर आपके मन में तीव्र इच्छा होगी। वेद और पुराण में आपकी गहरी रुचि रहेगी और आपका धार्मिक ज्ञान अच्छा होने की वजह से लोग आपसे मार्गदर्शन लेंगे। आपके पास चल और अचल संपत्ति के रूप में बहुत सारा धन होगा। आपके संबंध उच्च वर्ग के लोगों के साथ होंगे। जीवन में आप सभी तरह की भौतिक वस्तुओं का सुख प्राप्त करेंगे। सरकारी सेवाओं में आपको उच्च पद की प्राप्ति भी हो सकती है।

उभयचरी योग

तथोभयचरे जातो भूपो वा तत्समः

यदि चंद्रमा के अतिरिक्त राहु–केतु, सूर्य से द्वितीय और द्वादश दोनों भाव में हो, तो उभयचरी योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म इस योग में होने से आपको जीवन में भाग्य का साथ मिलेगा और आप आसानी से सभी चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। आप स्वभाव से हंसमुख और बुद्धिमान होंगे।

पाराशरी राज योगः

विष्णुस्थानं च केन्द्रं स्याल्लक्ष्मीस्थानं त्रिकोणकम् ।
तदीशयोश्च सम्बन्धाद्राजयोगः पुरोदितः

जब जन्म–कुंडली में केंद्र भावों का संबंध त्रिकोण भावों से हो तो राजयोग का निर्माण होता है। लग्न भाव को केंद्र तथा त्रिकोण दोनों भाव माना जाता है।
ये राजयोग निम्नलिखित प्रकार से निर्मित होते हैंः

जब लग्न का स्वामी ग्रह चतुर्थ भाव में स्थित होय
जब लग्न का स्वामी ग्रह पंचम भाव में स्थित होय
जब लग्न का स्वामी ग्रह नवम भाव में स्थित होय
जब चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह लग्न भाव में स्थित होय
जब चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह पंचम भाव में स्थित होय
जब चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह नवम भाव में स्थित होय
जब नवम भाव का स्वामी ग्रह लग्न भाव में स्थित होय
जब नवम भाव का स्वामी ग्रह चतुर्थ भाव में स्थित हैय
इसके अतिरिक्त जब उपरोक्त भाव के स्वामियों का एक दूसरे से स्थान परिवर्तन हो तो भी यह राजयोग निर्मित होता है।

इस योग में जन्म लेने के कारण दशा अवधि में आपका रुतबा बढ़ेगा। आप धनी, धार्मिक स्वभाव वाले, प्रसिद्ध एवं समृद्धशाली होंगे। कार्यक्षेत्र में आप उच्च पद पर आसीन होंगे। आपके पास वाहन एवं अन्य प्रकार की प्रॉपर्टी होगी।

तो इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आपकी कुंडली में उपर्युक्त राजयोग विद्यमान हैं। अतः आप जीवन में समृद्धिशाली एवं विख्यात तथा लक्ष्मीवान बनने की क्षमता रखते हैं। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि इन योगों का निर्माण जिन ग्रहों के द्वारा किया जा रहा है उन ग्रहों को कुंडली में मजबूती देने से इन योगों के प्रभाव में भी वृद्धि होगी तथा जब–जब इन ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा तथा अन्य दशाएँ आएंगी तब–तब आपको इन ग्रहों के द्वारा निर्मित उत्तम फलों की प्राप्ति होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाएगी।

आपका स्वर्णिम काल अथवा राजयोगों के फलीभूत होने का समय

अक्सर आपके मन में यह विचार आता होगा कि आपके जीवन का स्वर्णिम काल कब आएगा अथवा आपकी कुंडली के राजयोग कब फल देंगे? अपनी इस राज योग रिपोर्ट के अंतर्गत हम आपको बताना चाहते हैं कि आपकी जन्म कुंडली में उपस्थित विभिन्न राज योगों का प्रभाव यूँ तो जीवन पर्यन्त आपके ऊपर रहता है परन्तु विशेष रूप से जीवन का स्वर्णिम काल कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों को बनाने वाले विभिन्न ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा इत्यादि में आता है। क्योंकि इसी दौरान ये ग्रह पूर्ण रूप से आपकी कुंडली में प्रभावी होकर आप पर अपना प्रभाव डालते हैं और इन्हीं के प्रभाव

से आप जीवन में ऊँचाइयों तक पहुंचते हैं, जिससे आप तरक्की के साथ–साथ यश, मान–सम्मान तथा उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं।
आपकी कुंडली में बनने वाले राज–योगों के अनुसार आपके जीवन का स्वर्णिम काल अथवा जीवन में राज–योगों के फलीभूत होने का समय निम्न वर्णित रहेगा:

पहला स्वर्णिम काल:
जुलाई 2027 से अगस्त 2028

दूसरा स्वर्णिम काल:
जनवरी 2035 से मार्च 2037

नोट: इन समय पर ग्रहों और नक्षत्रों की चाल से राजयोग का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा।

आपकी कुंडली में राजयोग की शक्ति

जैसा कि आप जानते ही हैं, राजयोग आपको धनवान, अधिक सफल और अधिक संपन्न बनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजयोग के माध्यम से जीवन में इन सभी वस्तुओं को प्राप्त करने की जन्म–कुंडली की क्षमता का पता चलता है। विभिन्न लोगों की कुंडलियों की क्षमता भिन्न–भिन्न होती हैदृकुछ व्यक्तियों की कुंडलियों में अंतर्निहित यह क्षमता अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। अतः अपनी कुंडली में स्थिति राजयोगों की शक्ति के आधार पर आप स्वयं के भीतर छुपी संभावनाओं को पल्लवित करने के लिए उसी स्तर पर प्रयत्न करने की तैयारी कर सकते हैं। आइए, देखें कि इस दृष्टिकोण से आपकी कुंडली का अंतिम विश्लेषण क्या कहता है

राजयोग की शक्ति : 65%

हम आशा करते हैं कि यह राजयोग रिपोर्ट आपके लिए सहायक सिद्ध होगी और आप जीवन में नित नई ऊँचाइयों को छूते रहेंगे। परमात्मा की अनुकम्पा आप पर सदैव बनी रहे!

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report is provided as-is and we provides no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case any disputes the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).

पता:

ए-139, सेक्टर 63, नोएडा (उत्तर प्रदेश) 201303. भारत

संपर्क करें:

फोन: +91 95606 70006, 120 4138503

ईमेल: query@astrosage.com

वेब: www.AstroSage.com